लोकतंत्र की आत्मा है - संवाद

हरियाणा संवाद

पाक्षिक 1-15 मई 2022 www.haryanasamvad.gov.in अंक -41

"शिक्षा में बहुत ताकत होती है, इससे पूरी दुनिया को बदला जा सकता है।
: डा. बीआर अंबेडकर

श्रमिकों के कल्याण के लिए निरंतर प्रयास

2

अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस होगा अंबाला का टीबी अस्पताल

3

सरस मेले में आत्मनिर्भरता की रौनक

7

नवम्-गुरु को पूरे प्रदेश का नमन्

गुरु श्री तेग बहादुर जी का 400 वां प्रकाश पर्व

आज़ादी का अमृत महोत्सव

विशेष प्रतिनिधि

हरियाणा के इतिहास में 24 अप्रैल 2022 रविवार का दिन अपनी एक नई गाथा दर्ज करा गया, जब पानीपत की पावन धरा पर 'हिंद दी चादर' श्री गुरु तेग बहादुर जी का 400वां प्रकाश पर्व बड़े ही धूमधाम और श्रद्धा भाव से मनाया गया। राज्य सरकार द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में हरियाणा, पंजाब सहित देशभर से लाखों की संख्या में साध संगत गुरु कृपा का आशीर्वाद लेने पहुंची थी।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल स्वयं भक्ति भाव में सराबोर नजर आए। सर्वप्रथम उन्होंने गुरु ग्रंथ साहिब जी के सामने शीश नवाया और गुरु कृपा का आशीर्वाद लिया।

उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्रेम, त्याग और बलिदान से भरपूर श्री गुरु तेग बहादुर जी के जीवन व उनके आदर्शों से भावी पीढ़ियों को प्रेरित करना है। कार्यक्रम अपने आप में ऐतिहासिक रहा, जब विपक्ष के नेताओं सहित सभी धर्मों व सर्व समाज के लोगों ने दरबार साहिब में पहुंच कर हाज़िरी लगाई।

उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) गुरमीत सिंह ने कहा कि श्री गुरु तेग बहादुर जी ने पूरे समाज को मानवता की सेवा, धर्म की रक्षा, त्याग और बलिदान का संदेश दिया। गुरु जी के संदेश आज के समय में भी उतने ही प्रासंगिक हैं जितने उस दौर में हुआ करते थे। उन्होंने कहा कि सिखों के पहले गुरु श्री गुरु नानक देव जी ने करतारपुर साहिब में ही सिख धर्म की स्थापना की थी और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने करतारपुर कॉरिडोर खोलकर संगत को बहुत बड़ा तोहफा दिया।

उप मुख्यमंत्री श्री दुष्यंत चौटाला ने कहा कि श्री गुरु तेग बहादुर जी द्वारा दिया गया सर्वोच्च बलिदान और समुचित मानवता के लिए अपने जीवन को समर्पित करना हम सबके लिए प्रेरणादायक है। दुष्यंत चौटाला ने कहा कि श्री गुरु तेग बहादुर जी के परिवार की पांच पीढ़ियों ने धर्म की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया, जो मानव जाति के लिए अविस्मरणीय गाथा है।

प्रधानमंत्री का संदेश

सांसद संजय भाटिया ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का लिखित संदेश पढ़ कर सुनाया। प्रधानमंत्री ने अपने संदेश में लिखा कि श्री गुरु तेग बहादुर जी के 400वें प्रकाश पर्व पर पानीपत में राज्य स्तरीय समारोह का आयोजन करने पर हरियाणा सरकार को बधाई व शुभकामनाएं । श्री गुरु तेग बहादुर जी ने हमें गुरु सेवा और जीव सेवा का मार्ग दिखाया और सामाजिक समरसता का संदेश दिया। आज हमारा देश पूरी निष्ठा के साथ गुरुओं द्वारा दिखाए गए मार्ग और उनके आदर्शों पर आगे बढ़ रहा है।

मुफ़्त लगेंगी बूस्टर डोज

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कोविड रोधी टीकाकरण अभियान को आगे बढ़ाते हुए 18 वर्ष से 59 वर्ष के आयु वर्ग के वयस्क नागरिकों के लिए मुफ़्त बूस्टर खुराक की घोषणा की है। पात्र लाभार्थी हरियाणा के किसी भी सरकारी अस्पताल या डिस्पेंसरी से 250 रुपए की बूस्टर खुराक मुफ्त प्राप्त कर सकते हैं।

हरियाणा में उक्त आयु वर्ग के लगभग 1.2 करोड़ लाभार्थी हैं। इस पर लगभग 300 करोड़ रुपए का खर्चा आएगा, जिसे राज्य द्वारा कोविड राहत कोष से वहन किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कोरोना संक्रमण के मामलों में वृद्धि को देखते हुए लोगों से मास्क पहनने की अपील की है तथा बार-बार हाथ धोने जैसी सावधानियों का पालन करने का भी अनुरोध किया है। उन्होंने कहा कि सभी दिशा-निर्देशों का पालन करना कोरोना के खिलाफ लड़ाई में सबसे बड़ा हथियार है।

उल्लेखनीय है कि प्रदेश में अब तक कुल दो करोड़ 33 लाख से अधिक लोगों को कोविड रोधी वैक्सीन की पहली खुराक और करीब एक करोड़ 88 लाख को कोविड वैक्सीन की दोनों डोज दी जा चुकी है। साथ ही, राज्य में अब तक करीब 3,71,700 बूस्टर डोज दी जा चुकी हैं।

अमृत महोत्सव की सार्थकता का संकल्प

मनोज प्रभाकर

किसी भी राष्ट्र की एकता, अखंडता एवं प्रगति का आधार राष्ट्रीयता की भावना होती है। इसी भावना को प्रगाढ़ करने के उद्देश्य से देश आजादी की 75 वीं वर्षगांठ मना रहा है। यह उत्सव देश के शहीदों के त्याग से प्रेरणा लेने वाला तथा उनके सपनों का आधुनिक भारत बनाने के संकल्प को मजबूती देने वाला है। आजादी की 75वीं वर्षगांठ से 75 माह पूर्व 12 मार्च 2021 को दांडी मार्च की वर्षगांठ के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आजादी के अमृत महोत्सव की शुरुआत की थी। देशभर में यह महोत्सव 15 अगस्त 2023 तक मनाया जाएगा।

हरियाणा सरकार के प्रयासों से प्रदेशभर में आजादी का अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है। इसके तहत ऐसे अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं जिनसे देश-प्रेम की भावना को मजबूती मिले। मुख्यमंत्री मनोहर लाल का प्रयास है कि इस अवधि में हरियाणा प्रदेश में प्रगति के नए आयाम स्थापित हों तथा अंत्योदय की दृष्टि से हर परिवार आत्मनिर्भर बने। राज्य सरकार ने इस दिशा में आगे बढ़ने के लिए एक साथ कई कार्यक्रम शुरू किए हैं। 'भ्रष्टाचार मुक्त हरियाणा' पर विशेष जोर दिया गया है।

दिलों में राष्ट्रीयता की भावना क्षीण या विस्मृत होती है तो भ्रष्टाचार पनपने की आशंका होने लगती है। लालचवश लोग भूल जाते हैं कि उनके पूर्वजों ने इस देश की आजादी एवं खुशहाली के लिए किन-किन परिस्थितियों में बलिदान दिए थे। आजादी की जंग में जाति, धर्म, क्षेत्र या अन्य किसी भेद ने राष्ट्रीयता की भावना को खंडित नहीं होने दिया। आज हम सब उन्हीं की बदौलत स्वच्छंद रूप से खुली हवा में सांस ले रहे हैं। आज जरुरत है उनके सपनों को साकार करने की। एकता, अखंडता एवं आपसी सौहार्द से राष्ट्र के विकास में योगदान करने की।

आजादी का अमृत महोत्सव देश-प्रदेश में राजकीय स्तर पर धूमधाम से मनाया जा रहा है। आम आदमी के मन तक इसकी प्रासंगिकता को स्पष्ट करने के लिए जरुरी है महोत्सव को और विस्तार दिया जाए। जैसे जैसे उत्सव की शृंखला आगे बढ़ेगी सार्थकता बढ़ेगी। राजकीय प्रयासों के साथ जन भागीदारी बढ़ेगी तो इसके और बेहतर परिणाम होंगे। गांव-गांव में स्कूली विद्यार्थियों की ओर से अमृत महोत्सव की जागरण यात्राएं निकाली जाएं। स्कूल, कालेज व अन्य शैक्षणिक प्रतिष्ठानों में सुबह की प्रार्थना के साथ देशभक्ति के गीत बजें। गांव, कस्बे व शहरों में स्थानीय युवाओं व समाजसेवी संस्थाओं की ओर से नियमित प्रभातफेरी निकाली जाएं। आजादी से संबंधित लोकगीत व रागणियों की प्रतियोगिताएं आयोजित हों। कविता व नाटक प्रतियोगिताएं पहले से कराई जा रही हैं।

भ्रष्टाचार के मामलों में जीरो टोलरेंस

आजादी के अमृत महोत्सव को सार्थक बनाने के लिए मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने प्रदेश से भ्रष्टाचार को जड़ से मिटाने का मन बनाया है। उनके दिशा-निर्देशन में जीरो टोलरेंस नीति के अनुरूप मुख्य सचिव की अध्यक्षता में हाई पावर कमेटी गठित की गई है। स्टेट विजिलेंस ब्यूरो को और सुदृढ़ करने के लिए 4 सेवानिवृत सीबीआई अधिकारियों को सेवा पर रखा गया है। राज्य सरकार के निरंतर प्रयासों से प्रदेश में भ्रष्टाचार के मामले में संलिप्त अधिकारी व कर्मचारी पकड़े जा रहे हैं और उपयुक्त कार्रवाई की जा रही है।

संपादकीय

400वां प्रकाश पर्व

लाल किले की उसी प्राचीर से लगभग 400 वर्ष बाद स्वतंत्र भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्र को स्मरण कराया कि आस्थाओं, मानवीय गरिमाओं और धार्मिक मर्यादाओं की रक्षा के लिए आत्म बलिदान कैसे होता है। नवम् गुरु श्री गुरु तेग बहादुर ने चांदनी चौक में वर्ष 1675 में शहादत चूमी थी और और 'एक ओंकार' की स्मृति में आंखें मूंदकर आत्मोत्सर्ग किया था। उसी चांदनी चौक के सामने जिस लाल किले से तत्कालीन आततायी मुगल सम्राट औरंगज़ेब ने गुरुजी की 'शहादत' का फरमान जारी किया था, उसी लाल किले की प्राचीर से पूरे राष्ट्र की ओर से उस महान गुरु और 'सृष्टि की चादर' नवम् गुरु को श्रद्धापूर्वक नमन किया गया। उसी प्राचीर से गुरुजी की स्मृति में डाक टिकट व विशेष मुद्रा जारी की गई।

उसी परम्परा को आगे बढ़ाते हुए पानीपत में एक ऐतिहासिक समागम का आयोजन 400वें प्रकाश-पर्व के रूप में किया गया, जिसमें विश्व भर से श्रद्धालु लोग और विश्वविख्यात रागियों व ढाडी जत्थों ने भाग लिया। इस ऐतिहासिक प्रकाश पर्व का आयोजन मुख्यमंत्री मनोहर लाल की प्रेरणा एवं पहलकदमी से राजकीय स्तर पर किया गया।

उल्लेखनीय है कि गुरुजी ने आत्मोत्सर्ग अर्थात् आत्म बलिदान का यह निर्णय उन कश्मीरी पंडितों की उत्पीड़न गाथा को सुनने के बाद लिया था, जो उनकी शरण में धर्म की रक्षार्थ मार्गदर्शन के लिए आए थे। गुरुजी धर्म एवं आस्था का महत्व समझते थे और उन्होंने महान कार्य के लिए स्वयं को आततायी शासक के विरुद्ध बलिदान के लिए प्रस्तुत किया था।

हरियाणा में पूरा वर्ष इस प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में अनेक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। हरियाणा पंजाबी साहित्य अकादमी, हरियाणा साहित्य अकादमी व सूचना जन संपर्क एवं भाषा विभाग हरियाणा की ओर से अत्यंत महत्वपूर्ण प्रकाशनों का प्रसारण व लोकार्पण किया गया। ये आयोजन पूरे हरियाणा के लिए गौरव का विषय हैं क्योंकि गुरुजी की यात्राओं के महत्वपूर्ण संस्मरण इसी प्रदेश से जुड़े हैं।

- डॉ. चन्द्र त्रिखा

गुरुग्राम में बनेगा विश्व कौशल केंद्र

वर्तमान राज्य सरकार द्वारा युवाओं को रोजगारपरक शिक्षा प्रदान करने व कुशल बनाने के लिए राज्य के 'विंडो शहर' गुरुग्राम में विश्व कौशल केंद्र की स्थापना की जाएगी। गुरुग्राम के इस केंद्र में छह मुख्य क्षेत्रों में 680 उम्मीदवारों को प्रशिक्षित किया जाएगा।

हरियाणा के मुख्य सचिव संजीव कौशल ने बताया कि विश्व कौशल केंद्र में पहले चरण में पर्यटन एवं आतिथ्य, रिटेल, आईटी एवं आईटीईएस, लेखा, बैंकिंग एवं वित्त, लॉजिस्टिक तथा ब्यूटी एवं वेलनेस सहित विभिन्न क्षेत्रों में उम्मीदवारों को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य रखा गया है ।

हरियाणा कौशल विकास मिशन ने राज्य के युवाओं को जर्मनी में अंतरराष्ट्रीय अप्रेंटिसशिप और रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए मैजिक बिलियन के साथ अनुबंध किया है। मैजिक बिलियन (टीजीएम सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड की इकाई) राष्ट्रीय कौशल विकास निगम भागीदार के रूप में पंजीकृत एक भारत अंतरराष्ट्रीय कौशल केंद्र है। मैजिक बिलियन नर्सिंग, हॉस्पिटैलिटी, फूड रिटेल, रेस्टोरेंट सर्विस और कंस्ट्रक्शन सहित विभिन्न क्षेत्रों में लगभग 200 उम्मीदवारों को आवासीय प्रशिक्षण प्रदान करेगा।

उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण प्रदाता भारत के साथ-साथ विदेशों में भी घरेलू और अंतरराष्ट्रीय ब्रांडों के माध्यम से प्रशिक्षित उम्मीदवारों की न्यूनतम 70 प्रतिशत प्लेसमेंट सुनिश्चित करेगा। इसके अलावा, प्रदाता पाठ्यक्रम के विकास, मास्टर ट्रेनर के प्रशिक्षण और प्रशिक्षण की विभिन्न गतिविधियों के साथ-साथ पर्याप्त बुनियादी ढांचे के विकास को भी सुनिश्चित करेगा। प्रशिक्षण प्रदाता कौशल प्रशिक्षण के अलावा आवश्यकतानुसार विदेशी भाषाओं में भी प्रशिक्षण प्रदान करेगा। प्रशिक्षण प्रदाता अंतरराष्ट्रीय मास्टर ट्रेनर के माध्यम से 50 आईटीआई के इंस्ट्रक्टर्स, ट्रेनर को क्षमता निर्माण प्रशिक्षण निःशुल्क प्रदान करेगा।

योजना के तहत नामांकन

राज्य वित्त पोषित सूर्य योजना के तहत अब तक 43,165 व्यक्तियों को नामांकित किया जा चुका है और वर्तमान में 10,517 व्यक्ति प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। इस सूर्य योजना के तहत शॉर्ट टर्म ट्रेनिंग, रिकॉग्निशन ऑफ प्रायर लर्निंग , ड्राइवर ट्रेनिंग और हैवी मोटर व्हीकल ड्राइवर ट्रेनिंग के लिए लक्ष्य आवंटित किया गया है।

वित्त वर्ष 2021-22 के लिए प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई 3.0) के बारे में विवरण देते हुए मुख्य सचिव ने बताया कि योजना के तहत शॉर्ट टर्म ट्रेनिंग के लिए लक्षित 2,058 लोगों के नामांकन के साथ ही हरियाणा ने शत-प्रतिशत लक्ष्य को हासिल कर लिया है जबकि रिकॉग्निशन ऑफ प्रायर लर्निंग में राज्य ने 92 प्रतिशत लक्ष्य हासिल किया है।

श्रमिकों के कल्याण के लिए निरंतर प्रयास

हरियाणा सरकार द्वारा विभिन्न योजनाओं के ज़रिए श्रमिकों को वित्तीय सहायता तथा अन्य सुविधाएं मुहैया करवाई जा रही हैं। श्रमिकों के वेतन, स्वास्थ्य व दुर्घटना होने पर वित्तीय सहायता संबंधी अनेक योजनाएं उनको राहत प्रदान करती हैं।

हरियाणा भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के तहत 714.14 करोड़ रुपए की राशि वितरित गई। हरियाणा श्रम कल्याण बोर्ड द्वारा 134.57 करोड़ रुपए श्रमिकों को वितरित किये गये हैं। यह राशि सीधे श्रमिकों के बैंक खातों में वितरित की गई। वित्त वर्ष 2022-23 के बजट में श्रम क्षेत्र के लिए 221.97 करोड़ रुपए आवंटित किये गये हैं, जो चालू वर्ष के संशोधित अनुमानों पर 240.1 प्रतिशत की वृद्धि है।

पंजीकरण से लाभ: भवन निर्माण और उद्योगों में कार्यरत पंजीकृत श्रमिकों के लिए चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं के लाभ डी.बी.टी. के माध्यम से दिए जा रहे हैं। श्रमिकों को इन योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए अंत्योदय सरल केंद्रों, अंत्योदय भवन और राज्य के सी.एस.सी. सेंटर्स के माध्यम से पंजीकरण करवाना होता है। राज्य में 'प्रधानमंत्री श्रम योगी मान-धन योजना' के तहत असंगठित श्रमिकों का पंजीकरण किया जा रहा है, जिसमें पूरे देश में हरियाणा असंगठित श्रमिकों के पंजीकरण प्रथम स्थान पर हैं। कोविड-19 के चलते सरकार द्वारा घोषित वित्तीय पैकेज के अनुसार हरियाणा भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा 30 मार्च, 2020 से निर्माण श्रमिकों के परिवारों को 1,000 रुपए प्रति सप्ताह की पांच किस्त अर्थात 5,000 रुपए की राशि सीधे श्रमिकों के बैंक खातों में उपलब्ध कराई गई हैं।

हरियाणा में पंजीकृत श्रमिकों के कल्याण के लिए विभिन्न योजनाएं चलाई जा रही हैं। ई श्रम कार्ड के माध्यम से भी योजनाओं का लाभ दिया जाता है। श्रमिकों के चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करने के लिए नए ई.एस.आई अस्पताल खोले जा रहे हैं।

अनूप धानक, श्रम मंत्री, हरियाणा

स्थानीय उम्मीदवारों का आरक्षण: राज्य के स्थानीय उम्मीदवारों का 'राज्य रोजगार विधेयक, 2020' पारित किया गया है। इसके तहत हरियाणा के स्थानीय उम्मीदवारों को हरियाणा में स्थित विभिन्न स्थानीय कंपनियों, सोसायटी, ट्रस्ट, लिमिटेड देयता, भागीदारी फर्म, व साझेदारी फर्म आदि में दस वर्षों की अवधि के लिए 75 प्रतिशत आरक्षण 15 जनवरी, 2022 से लागू कर दिया गया है। श्रम विभाग पोर्टल पर लगभग 27 हजार कारखानों के लगभग 21 लाख 44 हजार श्रमिक पंजीकृत हैं। इसके अलावा, 3 लाख 55 हजार प्रतिष्ठानों में 27 लाख 49 हजार श्रमिक पंजीकृत हैं। इसी प्रकार केंद्र सरकार के 'ई-श्रम' पोर्टल पर प्रदेश के लगभग 50 लाख श्रमिक पंजीकृत हैं।

शादी में शगुन : राज्य सरकार द्वारा महिला श्रमिकों के हितों का भी ख़ास ख़्याल रखा जाता है। 'मुख्यमंत्री महिला निर्माण श्रमिक सम्मान योजना' के तहत सभी पंजीकृत श्रमिक बहनों को कपड़ों व उनकी व्यक्तिगत ज़रूरत के लिए 5,100 रुपए की सालाना वित्तीय सहायता दी जाती है। महिला श्रमिकों को प्रसूति के लिए 10 हजार रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। श्रमिक परिवारों को कन्यादान स्कीम के तहत तीन बेटियों की शादी तक हर शादी में 51 हजार रुपए का कन्यादान दिया जाता है। इसी प्रकार, बेटे व स्वयं की शादी पर भी 21 हजार रुपए की शगुन राशि दी जाती है।

श्रमिकों का पुनर्वास : राज्य सरकार द्वारा जहां श्रमिकों के अच्छे कार्य के लिए उन्हें पुरस्कार दिया जाता है, वहीं लापरवाही से दुर्घटना, अपंगता व मृत्यु होने पर परिवार की वित्तीय मदद की जाती है। उच्च कार्य कुशल, अनुशासन और सामाजिक दायित्व का निर्वहन करने वाले श्रमिकों को 'मुख्यमंत्री श्रम पुरस्कार योजना' में 51 हजार रुपए से 2 लाख रुपए तक की राशि के पुरस्कार दिये जाते हैं।

चिकित्सा सुविधा का प्रबंध: श्रम बल के हित के लिए एक सुरक्षित और स्वस्थ कार्य वातावरण आवश्यक है। सरकार का लक्ष्य डायल-112 के साथ एकीकृत मेजर एक्सीडेंट हैजर्ड कंट्रोल सेंटर स्थापित करने का है ताकि उन शिकायतों और दुर्घटनाओं पर त्वरित रिसपॉन्स प्रदान किया जा सके, जिनकी बड़ी दुर्घटनाओं में तबदील होने की आशंका है।

सलाहकार संपादक : डा. चंद्र त्रिखा
सह संपादक : मनोज प्रभाकर
संपादकीय टीम : संगीता शर्मा, सुरेंद्र मलिक
संपादन सहायक : सुरेंद्र बांसल
चित्रांकन एवं डिज़ाइन : गुरप्रीत सिंह
डिजिटल सपोर्ट : विकास डांगी

नेशनल हाईवे पर पड़ने वाले सभी टोल प्लाजा के आस-पास के लोगों की 'पास-सुविधा' के लिए अब करीब 20 किलोमीटर का दायरा घोषित किया गया है।

भारत के रजिस्ट्रार जनरल और नमूना पंजीकरण प्रणाली के अनुसार नवीनतम बाल स्वास्थ्य आंकडों में पांच वर्ष से कम आयु की शिशु मृत्यु दर में हरियाणा में पांच अंकों की उल्लेखनीय गिरावट आई है।

निजी स्कूलों की मनमानी पर कसेगी लगाम

राज्य सरकार ने निजी स्कूलों में फीस से जुड़ा नया कानून लागू किया है। अब निजी स्कूल संचालक न तो अपनी मर्जी से फीस बढ़ा सकेंगे और न ही विद्यार्थियों को वर्दियां व स्टेशनरी आदि खरीदने के लिए बाध्य कर सकेंगे।

सरकार ने तय किया कि हरियाणा में मॉडल संस्कृति स्कूल में हिंदी और इंग्लिश दोनों माध्यम से बच्चों की पढ़ाई कराई जाएगी। विद्यार्थी किसी भी माध्यम से पढ़ना चाहें उसी माध्यम से एडमिशन करवाए जाएंगे। सीएम मनोहर लाल ने बताया कि योजना के पीछे सोच है कि बच्चों को विकल्प दिया जाएं। कोशिश यह है कि सरकारी स्कूल निजी स्कूलों से बेहतर बनें। सीएम ने बताया कि स्कूलों में ढांचागत सुविधाओं के साथ साथ शिक्षा का स्तर सुधारने पर लगातार काम किया जा रहा है। शिक्षकों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। भविष्य की ज़रुरत को ध्यान में रखते हुए शिक्षा में आवश्यक बदलाव कर रहे हैं ।

शिक्षा मंत्री कंवर पाल ने बताया कि इस बार अब यदि स्कूलों से बच्चे ड्रॉप आउट होते हैं तो स्कूल मुखिया इसके लिए ज़िम्मेदार होगा। इससे न सिर्फ स्कूल की व्यवस्था में सुधार होगा, इसके साथ ही सरकारी स्कूलों में भी प्रतिस्पर्धा की भावना पैदा होगी। स्कूल से ड्रॉप आउट बच्चों का तीसरी बार शिक्षा विभाग सर्वे करा रहा है। जिसका मुख्य उद्देश्य ड्रॉप आउट बच्चों का दोबारा से स्कूल में दाखिला

कराकर मुख्यधारा से जोड़ना है।

नए कानून के लागू होने के बाद निजी स्कूल संचालक न तो अपनी मर्ज़ी से फीस बढ़ा सकेंगे और न ही विद्यार्थियों को वर्दियां और स्टेशनरी आदि खरीदने के लिए बाध्य कर सकेंगे। कानून बनने के बाद अब यदि कोई स्कूल संचालक या संस्था तीन बार दोषी पाई जाती है तो उस शिक्षण संस्थान की मान्यता को रद्द कर दिया जाएगा। फीस वृद्धि कानून लागू करने के बाद शिक्षा निदेशालय ने प्रदेश के सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को पत्र जारी कर दिया है। सीएम मनोहर लाल ने बताया कि हरियाणा सरकार के शिक्षा विभाग द्वारा अधिसूचना जारी कर दी गई है। छात्रों से फीस चेक, डीडी, आरटीजीएस, एनईएफटी या किसी अन्य डिजिटल माध्यम से ली जाएगी। इसके साथ ही कोई भी विद्यालय छमाही या वार्षिक आधार पर फीस का अनिवार्य संग्रहण नहीं कर सकेगा। फीस की स्थिति को भी स्पष्ट कर दिया है, जिसके अनुसार केवल पंजीकरण के समय एडमिशन से जुड़ी और अन्य फीस एक बार ली जा सकेगी। परीक्षा फीस केवल बोर्ड परीक्षा के लिए ही ली जा सकेगी।

अधिसूचना में यह भी स्पष्ट कर दिया गया है कि कोई भी मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थान किसी भी छात्र को पुस्तकें, कार्य पुस्तिकाएं, लेखन सामग्री, जूते, मोज़े, वर्दी इत्यादि खरीदने के लिए बाध्य नहीं कर सकेगा। इसके साथ ही कोई भी संस्थान लगातार पांच शैक्षिक वर्षों से पहले वर्दी में बदलाव नहीं करेगा। छात्र, अभिभावक जिला समिति को शिकायत मिलने के लिए तीन माह के अंदर निपटारा करना होगा।

-सुरेंद्र बांसल

काला पीलिया: घबराएं नहीं, उपचार कराएं

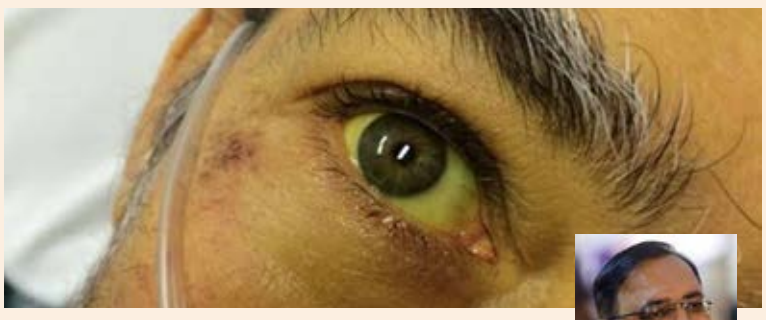

लिवर को नुकसान पहुंचाने के मुख्य तीन कारण माने गए हैं। शराब, मोटापा व काला पीलिया (हैपेटाइटिस बी व सी)। हरियाणा सरकार ने काले पीलिये के खिलाफ काफी लम्बे समय से मुहिम छेड़ रखी है, जिसके तहत सभी टेस्ट तथा दवाइयां हर जिले के सरकारी अस्पताल, पीजीआईएमएस रोहतक एवं अन्य सरकारी मेडिकल कालेजों में निशुल्क प्रदान की जा रही हैं।

पंडित बी.डी शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के गैस्ट्रोएंट्रोलोजी विभागाध्यक्ष डॉ प्रवीण मल्होत्रा ने बताया कि हरियाणा सरकार का विशेष ध्यान काले पीलिये से पीड़ित गर्भवती महिलाओं पर है। इसके तहत हरियाणा में गर्भवती महिलाओं का हैपेटाइटिस टेस्ट किया जाता है। अगर किसी महिला में हैपेटाइटिस बी मिलता है और कीटाणु की मात्रा ज्यादा मिलती है तो उसको गर्भावस्था में सातवें महीने से काले पीलिये की दवाई शुरू कर दी जाती है। ऐसी माताओं के नवजात शिशु के पैदा होने के 24 घंटे के अंदर हैपेटाइटिस बी इम्यूनोग्लोबिन एवं वैक्सीन का टीका लगाया जाता है और उसके उपरांत वैक्सिन का पूरा कोर्स दिया जाता है।

उन्होंने बताया कि यह सब मां से बच्चे में वायरस ना चला जाए उसके बचाव के लिए किया जाता है। जिन गर्भवती महिलाओं में वायरस की मात्रा अधिक पाई जाती है, उनमें यह 70 प्रतिशत तक नवजात में जा सकता है और जिनमें कम होती है उनमें 3 से 43 प्रतिशत तक भी समानता होती है। उन्होंने बताया कि एक बार यह वायरस नवजात में आता है तो 90 प्रतिशत पूरी उम्र रहता है।

डॉ. मल्होत्रा ने बताया कि एक रिसर्च में पाया गया कि 50 महिलाओं के अंदर कीटाणु की मात्रा ज्यादा होने के चलते उन्हें सातवें माह की गर्भावस्था से हैपेटाइटिस बी की दवाइयां शुरू कर नवजात शिशु को पैदा होते ही इम्यूनो ग्लोबिन एवं वैक्सिन का पूरा कोर्स करवाया गया। मां से बच्चे में हैपेटाइटिस बी के जाने की पुष्टि तब की जाती है, अगर बच्चे के एक वर्ष के होने पर उसमें हैपेटाइटिस बी पाया जाए। अब तक 100 बच्चे एक वर्ष के हो गए हैं और किसी में भी हैपेटाइटिस वायरस नहीं पाया गया। रिसर्च यह साबित करती है कि हैपेटाइटिस बी से ग्रस्ति महिलाओं की नवजात को स्तनपान करने की प्रथा बिल्कुल ठीक है व सुरक्षित है तथा सिर्फ काले पीलिये की वजह से सिजेरियन डिलीवरी करवाने का कोई औचित्य नहीं है।

डॉ. मल्होत्रा ने बताया कि इस रिसर्च के शुरुआती निष्कर्ष उत्साहजनक हैं और हैपेटाइटिस बी को काबू करने में काफी लाभदायक साबित हो सकते हैं क्योंकि 50 प्रतिशत में हैपेटाइटिस बी का कारण मां से बच्चे में वायरस जाना होता है।

- संवाद ब्यूरो

अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस होगा अंबाला का टीबी अस्पताल

हरियाणा में स्वास्थ्य सेवाएं लगातार नए आयाम स्थापित करती जा रही हैं। इसी कड़ी में अंबाला शहर में टीबी, छाती एवं हृदय रोग की जांच और ईलाज हेतु पांच मंजिला अस्पताल बनाया जाएगा। इसके निर्माण के लिए 54.38 करोड़ रुपए की प्रशासनिक मंजूरी मिल गई है। अंबाला शहर में बनने वाला सौ बेड का टीबी अस्पताल दिल्ली को छोड़ उत्तर भारत में अपनी तरह का इकलौता अस्पताल होगा।

दो एकड़ में बनने वाला नया टीबी अस्पताल पुराने टीबी अस्पताल के भवन को ढहाकर पूरी तरह नया बना जाएगा। अस्पताल को टीबी और हृदय रोग की ट्रेनिंग के लिए नोडल सेंटर की तरह भी इस्तेमाल किया जाएगा। यहां डॉक्टरों के अलावा लैब तकनीशियन एवं एनटीईपी स्टाफ की ट्रेनिंग कराई जा सकेगी। अस्पताल में टीबी क्लीनिक, एमडीआर टीबी क्लीनिक, पोस्टर ट्यूबरक्यूलर टीबी क्लीनिक, आईएलडी क्लीनिक, ज्यूनोटिक डिजिसिस क्लीनिक, जनरल हृदय ओपीडी, लंग कैंसर क्लीनिक, एआरटी क्लीनिक, एलर्जी एंड इम्यूनोथेरेपी क्लीनिक, टबैको सीसेशन क्लीनिक, स्लीप लैब, ईएनटी क्लीनिक, आडियोमेट्री क्लीनिक, एचआईवी काउंसिलिंग सेंटर, फीजियोथैरेपी रूम एवं अन्य ओपीडी होगी। अंबाला ही नहीं, आस-पास राज्यों के मरीजों को भी इस अस्पताल में ईलाज की बेहतर एवं आधुनिक सुविधा प्रदान हो सकेगी।

अस्पताल परिसर में ही प्रयोगशाला का पांच मंजिला अलग से भवन बनाया जाएगा। यहां स्टेट ऑफ आर्ट प्रयोगशाला बनाई जाएगी जहां 24 घंटे के भीतर ही सेंपल रिपोर्ट तैयार होगी। अब तक टीबी से जुड़े कई टेस्ट करनाल प्रयोगशाला में हो रहे थे जोकि अब अम्बाला में भी होंगे। यहां वीरोलॉजिकल रिसर्च एवं डायग्नोस्टिक प्रयोगशाला होगी जोकि दिल्ली आईसीएमआर से मान्यता प्राप्त होगी। प्रयोगशाला में आधुनिक मशीनों से टेस्ट परफार्म किए जाएंगे। इसके अलावा बॉयोकेमिस्ट्री, बैक्टीरियोलॉजी, फंगल, मॉलीक्यूलर एवं पैथ लैब होगी। यह लैब 24 घंटे निरंतर चलेगी और लैब में प्राइवेट सेंपल भी चैक किए जाएंगे।

रेडियोलॉजी डिपॉर्टमेंट में सीटी स्कैन

स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज ने बताया कि अस्पताल में रेडियोलॉजी डिपॉर्टमेंट भी होगा जहां एक्सरे, अल्ट्रासाउंड एवं सीटी स्कैन सुविधा भी मिलेगी। अस्पताल में फेफड़ों के भी संपूर्ण टेस्ट किए जा सकेंगे जिनसे यह जानकारी मिल सकेगी कि फेफड़े की कितनी वर्किंग है। यहां संपूर्ण पीएफटी लैब होगी। यह टेस्ट हरियाणा में अब तक केवल पीजीआई रोहतक में किए जा रहे हैं जोकि आगे अब अंबाला में भी हो सकेंगे।

इसी तरह, अस्पताल में अलग-अलग वार्ड होंगे और हर वार्ड में ऑक्सीजन पाइप लाइन उपलब्ध होगी। यहां 10 प्राइवेट रूम के लिए अलग से वार्ड होगा। अस्पताल में दो आईसीयू होंगे। चौबीस घंटे आईसीयू में इकोकार्डियोग्राफी, अल्ट्रासाउंड एवं चेस्ट एक्सरे सुविधा होगी। इसके अलावा दस बेड की क्षमता वाला हाई डिपेंडेंसी यूनिट, आप्रेशन थियेटर, स्लीप स्टडी लैब, टीबी वार्ड एवं अन्य वार्ड और सुविधाएं भी उपलब्ध होंगी।

-संवाद ब्यूरो

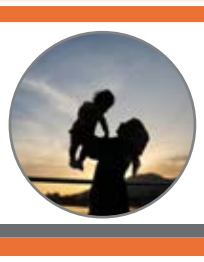

महिला एवं बाल विकास विभाग को 33.7 प्रतिशत अधिक बजट आबंटन किया है। इससे बच्चों के कुपोषण से निपटने और महिलाओं के पोषण स्तर में बढ़ोतरी के लक्ष्यों को हासिल किया जाएगा।

प्रदेश में खेलो इंडिया यूथ गेम 2021 का आयोजन 4 से 13 जून 2022 तक किया जाएगा। इनमें अण्डर 18 के 25 खेलों में 5 भारतीय खेल भी शामिल हैं। इन खेलों में देशभर के लगभग 8500 खिलाड़ी भाग लेंगे।

जो बोले सो निहा

समाज, देश व धर्म की रक्षा के

नवम् गुरु श्री गुरु तेग बहादुर के 400 वें प्रकाश पर्व के अवसर पर पानीपत में आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री मनोहर लाल करीब 11 बजे समागम स्थल पर पहुंचे। यहां पहुंचने पर परम्परा अनुसार मुख्यमंत्री का स्वागत किया गया। सिख संस्कृति के प्रतीक दस्तार को भी मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने सजाया। इसके बाद मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने लंगर हाल, जोड़ा घर, सिख गुरुओं के इतिहास और बलिदान को लेकर जनसम्पर्क विभाग द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने देश के कोने-कोने से आई बेटियों, संगत, व साधु-संतों से मन की बात की और श्री गुरु तेग बहादुर जी के 400वें प्रकाशोत्सव को मनाए जाने के उद्देश्य के बारे में चर्चा की।

मुख्यमंत्री तकरीबन दो घंटे से ज़्यादा संगत के बीच रहे। वे इसके बाद मुख्य पंडाल में पहुंचे तो पूरी संगत के चेहरों पर उत्साह एवं प्रसन्न्ता के भाव थे। पूरा पंडाल श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की हाजिरी में 'जो बोले सो निहाल सत श्री अकाल' से गूंज उठा।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि गुरुओं ने समाज और देश की रक्षा के लिए अपना बलिदान दिया था। जब 500 कश्मीरी पंड़ितों का जत्था श्री गुरु तेग बहादुर जी के पास आनंदपुर साहिब पहुंचा। उन्होंने औरंगजेब के अत्याचार के बारे में गुरु साहिब को अवगत करवाया। तब गुरु साहिब जी ने कहा कि वक्त आ गया है जब किसी महापुरुष को बलिदान देना होगा। इस पर गुरु साहिब के पुत्र गोबिंद ने कहा कि आपसे बड़ा बलिदानी कौन होगा। इसके बाद गुरु साहिब जी ने औरंगजेब को चुनौती दी। अत्याचारी शासक औरंगजेब ने गुरु साहिब को घोर यातनाएं देकर उनका शीश धड़ से अलग कर दिया। गुरु साहिब जी ने देश-धर्म की रक्षा के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि देश में नायक भी हुए हैं और खलनायक भी लेकिन हमें नायकों को याद रखना होगा। श्री गुरु तेग बहादुर जी एक नायक थे और औरंगजेब एक खलनायक । इसी तरह त्रेता युग में रावण एक खलनायक था और प्रभु श्री राम नायक हुए। इन महापुरुषों ने अत्याचार, धर्म और संस्कृति

प्रकाश पर्व पर बड़ी घोषणाएं

श्री गुरु तेग बहादुर जी के 400वें प्रकाश पर्व समागम में मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल ने गुरु साहिब के त्याग और बलिदान को याद करते हुए कई बड़ी घोषणाएं की। उन्होंने पानीपत की ऐतिहासिक धरती पर आयोजित हुए समागम स्थल का नाम श्री गुरु तेग बहादुर के नाम पर करने की घोषणा की। इसके अतिरिक्त जिस रास्ते से गुरु ग्रंथ साहिब की पालकी आई, उस रास्ते का नामकरण भी श्री गुरु तेग बहादुर मार्ग रखे जाने का ऐलान किया। इसके साथ-साथ उन्होंने कहा कि यमुनानगर में बनने जा रहे सरकारी मेडिकल कॉलेज का नाम भी श्री गुरु तेग बहादुर के नाम पर रखा गया है । जल्द ही कालेज का शिलान्यास किया जाएगा ।

श्री गुरु तेग बहादुर जी ने लड़ते वक्त जिन शस्त्रों का प्रयोग किया, उनकी प्रदर्शनी देशभर में लगाई जाएगी। उन्होंने यह फैसला किया है कि इन शस्त्रों को लेकर जाने वाला वाहन हरियाणा सरकार अपनी ओर से भेंट देगी।

की रक्षा के लिए कोई समझौता नहीं किया। सभी गुरुओं और महापुरुषों ने सर्व समाज को इसी रास्ते पर चलने की राह दिखाई ।

हरियाणा से रहा गुरु साहिब का गहरा नाता

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि श्री गुरु तेग बहादुर जी का हरियाणा से गहरा नाता रहा है। उन्होंने हरियाणा व पंजाब से होकर छह यात्राएं की। गुरु साहिब ने हरियाणा के 32 गुरुद्वारों में अपने चरण रखे। गुरु जी धमतान साहिब, मंजी साहिब, गढ़ी साहिब, कराह साहिब आदि स्थानों पर पहुंचे। गुरु साहिब के शीश की अंतिम यात्रा भी हरियाणा से होकर निकली। उनके शीश के पीछे औरंगजेब की सेना लगी हुई थी। गुरु जी के चेहरे से मिलते-जुलते सोनीपत के बड़खालसा गांव के किसान खुशहाल सिंह दहिया ने अपना शीश कटवा दिया। जिसे लेकर औरंगजेब की सेना दिल्ली चली गई और गुरु साहिब का शीश पंजाब ले जाया जा सका।

सरकार सभी संत और महापुरुषों की मना रही जयंती

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि संतों व महापुरुषों के विचार जन-जन तक पहुंचे, इसके लिए हरियाणा सरकार सभी संत व महापुरुषों की जयंती व प्रकाश पर्व मना रही है। इनसे समाज उनके गुणों को धारण करता है और उनमें त्याग, समर्पण और गुरुवाणी का भाव पैदा होता है। पानीपत ऐतिहासिक धरती रही है। इसी धरती पर श्री गुरु तेग बहादुर जी का 400वां प्रकाश पर्व मनाकर एक और इतिहास रचा गया है। हरियाणा सरकार गुरु साहिब के विचारों को सहेजने के लिए दृढ़ संकल्पित है। उनके चरणों में नतमस्तक होते हुए सभी को उनके जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए।

विश्वविख्यात रागी और ढाडी

श्री गुरु तेग बहादुर जी के 400वें प्रकाश पर्व के अवसर पर विश्वविख्यात रागी और ढाडी पहुंचे। पंथ के सिरमौर रागी भाई चमनजीत सिंह जी लाल, भाई बलविंदर सिंह रंगीला जी, भाई दविंदर सिंह सोढ़ी जी, भाई गगनदीप सिंह, श्रीगंगानगर ने शब्द पाठ और कीर्तन कर समूची साध संगत को भाव-विभोर कर दिया। वहीं ढाडी भाई निर्मल सिंह नूर जी ने भी अमृतमयी कीर्तन, गुरूमत प्रवचन और गुरु इतिहास से संगत को निहाल किया।

इस अवसर पर तख्त श्री पटना साहिब के जत्थेदार श्री रणजीत सिंह, गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज, गुरु मां, दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान सरदार हरमीत सिंह कालका एवं हरियाणा के खेल राज्य मंत्री सरदार संदीप सिंह सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने समागम में शिरकत की ।

उच्चाधिकार प्राप्त क्रय समिति की बैठक में नौवीं से बारहवीं कक्षा के लिए पांच करोड़ रुपए की लागत से पर्सनलाइज्ड एंड एडाप्टिव लर्निंग साफ्टवेयर की खरीद को मंजूरी दी गई है।

उच्चाधिकार प्राप्त क्रय समिति ने 47 करोड़ रुपए की लागत से लगभग पांच लाख डाटा सिम कार्डों की खरीद को मंजूरी प्रदान की। इन सिम कार्डों को 2जीबी की दैनिक डाटा सीमा के साथ टैबलेट के साथ दिया जाएगा।

ल सत श्री अकाल

क लिए गुरुओं ने दिया बलिदान

हिंद दी चादर

मुगल काल में हिंदू धर्म खतरे में था। मुस्लिम बादशाह औरंगजेब की धर्मांतरण की मुहिम उन दिनों जोरों पर थी । श्री गुरु तेग बहादुर जी ने अपनी शहादत देकर सहमी जनता को जुल्म के खिलाफ़ खड़ा होना सिखाया।

17 वीं सदी के उस दौर में कश्मीरी हिन्दू औरंगजेब के धर्मांतरण और अत्याचार से तंग आ चुके थे । तब 500 कश्मीरी ब्राह्मणों का जत्था श्री गुरु तेगबहादुर जी के पास आंनदपुर साहिब पहुंचा । उनके नेता पंडित कृपा राम ने गुरु जी को औरंगजेब बादशाह के अत्याचारों के बारे में बताया कि उन्हें धर्मांतरण के लिए मजबूर किया जा रहा है । उन्होंने गुरु जी से जुल्म और धर्मांतरण से बचाने की गुहार की। उन्होंने जबरन धर्म परिवर्तन, धार्मिक समारोहों पर प्रतिबंध, मंदिरों की तोड़-फोड़ और जनसंहार पर विस्तार से बताया । गुरु साहिब ने ब्राह्मणों से कहा था कि हिंदू धर्म को बचाने के लिए अब किसी महान व्यक्ति को कुर्बानी दे कर नई अलख जगानी पड़ेगी । इस पर उनके साथ खड़े नौ वर्षीय बेटे गोविंद ने कहा कि पिताजी आप से महान व्यक्ति इस समय और कौन है।

धर्म की रक्षा के लिए श्री गुरु तेग बहादुर साहिब 10 जुलाई, 1675 ई. को चक्क नानकी (अनंदपुर साहिब) से भाई मती दास, भाई सती दास और भाई दयाला जी के साथ दिल्ली के लिए रवाना हुए । नवंबर, 1675 ई. को गुरु साहिब को गिरफ्तार कर लिया। गुरु जी ने औरंगजेब को यह चैलेंज किया था कि अगर उसे जिंदा इस्लाम कबूल करवा देंगे तो हिंदुस्तान के बाकी नागरिक इस्लाम कबूल कर लेंगे लेकिन अगर वह उसे इस्लाम कबूल नहीं करवा पाए तो उन्हें यह वादा करना पड़ेगा कि उसके बाद हिंदुओं पर जबरदस्ती इस्लाम कबूल का दबाव नहीं डाला जाएगा।

औरंगजेब ने पहले प्रलोभन और फिर अत्याचार करके उन्हें मुस्लिम धर्म अपनाने का दबाव डाला लेकिन महान गुरु ने हिंद का सिर नीचे नहीं होने दिया। तीनों गुरसिखों को खौफ़नाक यातनाएं देकर गुरु साहिब के सामने शहीद कर दिया गया । उसी दिन गुरु साहिब को भी चांदनी चौक में सिर धड़ से अलग कर शहीद कर दिया गया। जिस शिला पर गुरु तेग बहादुर साहिब को शहीद किया गया उस शिला को सरदार बघेल सिंह ने उखाड़कर बुंगा रामगढ़िया श्री अमृतसर पहुंचाया था । यह स्थान तख़्त श्री केसगढ़ साहिब से 500 मीटर और बस अड्डा से 400 मीटर और गुरुद्वारा भोरा साहिब के सामने स्थित है । गुरु जी ने अपने प्राणों की परवाह ना करते हुए दूसरों के लिए कुर्बानी दी थी। यही कारण है कि श्री गुरु तेग बहादुर जी को 'हिन्द दी चादर' कहा जाता है।

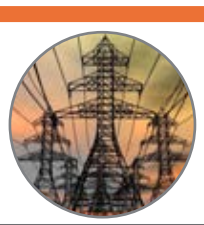

उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम और दक्षिण निगम की आवश्यकताओं के अनुसार 48.89 करोड़ रुपए की लागत से 11 मीटर लंबे पीसीसी पोल की आपूर्ति की खरीद को मंजूरी दे दी है।

होटल प्रबंधन एवं पाक अध्ययन के क्षेत्र में हरियाणा राज्य होटल प्रबंधन संस्थान, रोहतक और स्विस होटल मैनेजमेंट स्कूल एंड क्यूलनेरी आर्ट अकादमी, स्विट्जरलैंड ने एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

किसानों की आय में हुई बढ़ोतरी

मुख्यमंत्री मनोहर लाल के दूरदर्शी नेतृत्व में हरियाणा सरकार द्वारा की गई इन पहलों का यह परिणाम है कि हरियाणा उन शीर्ष तीन राज्यों में से एक हो गया है, जहां किसानों की आय 20,000 रुपए प्रति माह से अधिक है।

राष्ट्रीय सैंपल सर्वेक्षण संगठन के अनुसार, हरियाणा में किसानों की मासिक आय 22,841 रुपए हो गई है, जो कि पहले 14,434 रुपए थी। हरियाणा सरकार ने अपनी किसान हितैषी पहल के साथ यूपी जैसे अन्य बड़े राज्यों को पीछे छोड़ दिया, जहां किसान आय 8,061 रुपए दर्ज़ की गई है । इसी तरह आंध्र प्रदेश में यह 10,480 रुपए; महाराष्ट्र में 11,492 रुपए और मध्य प्रदेश में 8,339 रुपए दर्ज़ की गई है।

हरियाणा, जिसे भारत की 'ब्रेड बास्केट' के रूप में जाना जाता है, में विविध कृषि-पारिस्थितिकी और फसल पैटर्न हैं। पिछले कुछ वर्षों में हरियाणा ने निवेश बढ़ाने, अनुसंधान और विकास प्रणाली, सार्वजनिक वितरण प्रणाली, सिंचाई विकास, भूमि अधिग्रहण नीति, ऋण और बिजली के उपयोग के लिए सब्सिडी, सड़क, बाजार, बिजली उत्पादन और आपूर्ति जैसे बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देकर कृषि को मज़बूत करने का काम किया है। भारत से बासमती चावल का 60 प्रतिशत से अधिक निर्यात हरियाणा से होता है।

14 फसलों को एमएसपी पर खरीद रही सरकार

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा, हरियाणा एक ऐसा राज्य है जो न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूं, धान, जौ, बाजरा, मूंग, मूंगफली, सरसों, मक्का, उड़द, तिल, चना, अरहर, कपास और सूरजमुखी सहित 14 फसलों की खरीद करता है। पिछले चार साल में सिर्फ़ गेहूं और चावल बेचकर यहां के किसानों ने 1,02,436 करोड़ रुपए कमाए हैं, जो काबिले तारीफ़ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा देश के पहले राज्यों में है जहां बागवानी के लिए 'भावांतर भरपाई योजना' जैसी विभिन्न किसान कल्याण योजनाएं लागू की गई है। कई बार कृषि उपज की कम कीमतों के कारण किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। इस समस्या से निपटने के लिए राज्य सरकार ने 21 बागवानी फसलों को भी 'भावांतर भराई योजना' में शामिल किया है और 'मेरी फसल मेरा ब्योरा पोर्टल' पर पंजीकरण अनिवार्य कर दिया गया है। फलों और सब्ज़ियों के दाम बाज़ार में कीमत से कम होने पर किसानों को नुकसान नहीं होगा। सरकार उस कमी को पूरा करेगी। उन्होंने कहा कि राज्य के किसानों को कपास, सरसों और गेहूं के लिए लाभकारी मूल्य मिल रहे हैं।

घरौंडा सब्जी एक्सपो में जुटे प्रगतिशील किसान

घरौंडा स्थित सब्जी उत्कृष्टता केंद्र में उद्यान विभाग द्वारा सब्जी एक्सपो में भव्य प्रदर्शनी का आयोजन किया गया था। कृषि मंत्री जे.पी दलाल ने कहा कि गन्नौर में लगभग 8,000 करोड़ की लागत से बागवानी मंडी तैयार की जा रही है। जिससे फल, सब्ज़ी एवं फूलों का निर्यात बाहरी देशों में किया जा सकेगा।

मेले में विभिन्न सरकारी विभागों, संगठनों, निजी उद्यमियों द्वारा 125 स्टॉल लगाए गये थे इनमें किसान उत्पादक समूहों द्वारा 5 स्टॉल अलग से लगाये गये थे। प्रदर्शनी में टमाटर, बंद गोभी, फूलगोभी, बैंगन, मिर्च, शिमला मिर्च, रंगीन शिमला मिर्च, मूली, खीरा, मटर, आलू, गाजर, प्याज, विदेशी सब्जियां, शहद एवं मशरूम को प्रदर्शनी में शामिल किया गया। केंद्र के उप-निदेशक डॉ. सुधीर यादव ने बताया इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य राज्य में सब्जी उत्पादकों को सब्जी उत्पादन बढ़ाने के लिये नवीनतम तकनीकी ज्ञान उपलब्ध कराना प्रमुख है। महेंद्रगढ़ की बनारसी देवी प्रदर्शनी में अपने उत्पादों को लेकर पहुंची थी। उनके द्वारा तैयार किये गये उत्पाद प्रदर्शनी के आर्कषण का केंद्र थे। मेले में बागवानी विशेषज्ञों द्वारा विभाग की योजनाओं, संरक्षित खेती एवं ढांचा, जैविक खेती के उत्पादन, प्रमाणीकरण एवं अच्छी कृषि पद्धतियों के बारे किसानों को अवगत कराया गया।

यमुनानगर के गांव चमरौली के संदीप का कहना था कि वह आठ वर्ष से खीरा व शिमला मिर्च की अनेक रंगों की उत्कृष्ट खेती कर आधुनिक तकनीक से बगैर बीज वाला खीरा तैयार करता हैं। विभाग द्वारा 11,000 की राशि व प्रशस्ति पत्र के साथ सम्मानित किया गया। नूह हसनपुर के जयदेव को पॉली हाउस के जरिए लाल पीली मिर्च की खेती को बढ़वा देने व हाइब्रिड खीरे की खेती को नई तकनीक से करने पर सम्मानित किया गया। गुरूग्राम के ब्लॉक,पटौदी के बासपदमका गांव के किसान अशोक कुमार को पपीता की उत्कृष्ट खेती के लिए द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

विभाग के महानिदेशक डा. अर्जुन सिंह सैनी ने बताया कि जलवायु के हिसाब से प्रदेश में फल, सब्जियों के 11 केंद्र स्थापित किए गए हैं। इसके अलावा अन्य केंद्रों को देश-विदेशी तकनीकों के साथ विकसित किया जा रहा है। विभाग हर साल सात से आठ मेलों को आयोजित करेगा जिससे किसानों को तकनीकी ज्ञान एवं फसलों की किस्मों को समझने का मौका मिलेगा।

-संवाद ब्यूरो

जैविक खेती
लागत कम, मुनाफा ज्यादा

संगीता शर्मा

प्रदेश में जैविक खेती के प्रति रूझान बढ़ता जा रहा है। इससे किसानों को फ़ायदा हो रहा है, साथ ही गुणवत्ता युक्त खाद्यान्न की बढ़ोतरी भी हो रही है। यह खाद्यान्न स्वास्थ्य के लिए लाभप्रद है और लोगों को बीमारी से बचाते हैं। किसानों द्वारा जैविक कीट एवं व्याधि नियंजक के नुस्खे विभिन्न कृषकों के अनुभव के आधार पर तैयार कर प्रयोग किये गये हैं, जिसके परिणाम बहुत सार्थक आए हैं। इसके लिए किसानों को अधिक रुपए खर्च नहीं करने पड़ते, बल्कि प्राकृतिक चीजों से तैयार किए जाते हैं।

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जे.पी दलाल ने कहा कि राज्य में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए कृषि विभाग में एक अलग से विंग बनाया जाएगा। इस विंग के माध्यम से किसानों के लिए अलग प्रशिक्षण देने के अलावा अलग-अलग कलस्टर भी बनाए जाएंगे।

जैविक कीट एवं व्याधि नियंजक के नुस्खे

गौ-मूत्र: कांच की शीशी में भरकर धूप में रख सकते हैं। जितना पुराना गौमूत्र होगा उतना अधिक असरकारी होगा । 12-15 मि.मी. गौमूत्र प्रति लिटर पानी में मिलाकर स्प्रेयर पंप से फसलों में बुआई के 15 दिन बाद, प्रत्येक दस दिवस में छिड़काव करने से फसलों में रोग एवं कीड़ों में प्रतिरोधी क्षमता विकसित होती है जिससे प्रकोप की संभावना कम रहती है।

नीम के उत्पाद: नीम को समूल ही वैद्य के रूप में मान्यता प्राप्त है। इससे उपयोगी औषधियां तैयार की जाती हैं तथा इसके उत्पाद फसल संरक्षण के लिये अत्यन्त उपयोगी हैं।

नीम पत्ती का घोल – नीम की 10-12 किलो पत्तियां, 200 लिटर पानी में चार दिन तक भिगोएं। पानी हरा पीला होने पर इसे छानकर, एक एकड़ की फसल पर छिड़काव करने से इल्ली की रोकथाम होती है। इस औषधि की तीव्रता को बढ़ाने हेतु धतूरा, तम्बाकू आदि के पत्तों को मिलाकर बनाने से औषधि की तीव्रता बढ़ जाती है और यह दवा कई प्रकार के कीड़ों को नष्ट करने में यह दवा उपयोगी है।

नीम की निबोली: नीम की निबोली दो किलो लेकर महीन पीस लें इसमें दो लिटर ताज़ा गौमूत्र मिला लें। इसमें दस किलो छाछ मिलाकर चार दिन रखें और 200 लिटर पानी मिलाकर खेतों में फसल पर छिड़काव करें।

मट्ठा: मट्ठा, छाछ, दही आदि नाम से जाना जाने वाला तत्व अनेक प्रकार से गुणकारी है और इसका उपयोग फसलों मे कीट व्याधि के उपचार के लिये लाभप्रद है। मिर्ची, टमाटर आदि जिन फसलों में चुर्रामुर्रा या कुकड़ा रोग आता है, उसके रोकथाम हेतु एक मटके में छाछ डाकर उसका मुंह पोलीथिन से बांध दे एवं 30-45 दिन तक उसे मिट्टी में गाड़ दें। इसके पश्चात छिड़काव करने से कीट एवं रोगों से बचत होती है। 100-150 मि.ली. छाछ 15 लिटर पानी में घोल कर छिड़काव करने से कीट-व्याधि पर नियंत्रण होता है। यह उपचार सस्ता, सुलभ, लाभकारी होने से कृषकों में लोकप्रिय है।

मिर्च/लहसुन: आधा किलो हरी मिर्च, आधा किलो लहसुन पीसकर चटनी बनाकर पानी में घोल बनायें इसे छानकर 100 लिटर पानी में घोलकर, फसल पर छिड़काव करें। 100 ग्राम साबुन पाउडर भी मिलाएं। जिससे पौधों पर घोल चिपक सके। इसके छिड़काव करने से कीटों का नियंत्रण होता है।

लकड़ी की राख: एक किलो राख में 10 मि.ली. मिट्टी का तेल डालकर पाउडर का छिड़काव 25 किलो प्रति हैक्टेयर की दर से करने पर एफिड्स एवं पंपकिन बीटल का नियंत्रण हो जाता है ।

ट्राईकोडर्मा: ट्राईकोडर्मा एक ऐसा जैविक फफूंद नाशक है जो मृदा एवं बीज जनित बीमारियों को नियंत्रित करता है।

बीजोपचार में पांच-छह ग्राम प्रति किलोगाम बीज की दर से उपयोग किया जाता है। मृदा उपचार में एक किलोग्राम ट्राईकोडर्मा को 100 किलोग्राम अच्छी सड़ी हुई खाद में मिलाकर अंतिम बखरनी के समय प्रयोग करें। कटिंग व जड़ उपचार- 200 ग्राम ट्राईकोडर्मा को 15-20 लिटर पानी में मिलाएं और इस घोल में 10 मिनिट तक रोपण करने वाले पौधों की जड़ों एवं कटिंग को उपचारित करें।

तीन ग्राम ट्राईकोडर्मा प्रति लिटर पानी में घोल बनाकर 10-15 दिन के अंतर पर खड़ी फसल पर तीन-चार बार छिड़काव करने से वायुजनित रोग का नियंत्रण होता है।

दीमक नियंत्रण: मक्का के भुट्टे से दाना निकलने के बाद, जो गिण्डीयॉ बचती हैं, उन्हें मिट्टी के घड़े में इकट्ठा करके घड़े को खेत में इस प्रकार गाढ़ें कि घड़े का मुंह ज़मीन से कुछ बाहर निकला हो। घड़े के ऊपर कपड़ा बांध दे तथा उसमें पानी भर दें। कुछ दिनों में ही आप देखेगें कि घड़े में दीमक भर गई है। इसके उपरांत घड़े को बाहर निकालकर गरम कर लें ताकि दीमक समाप्त हो जाए। इस प्रकार के घड़े को खेत में 100-100 मीटर की दूरी पर गड़ाएं तथा करीब पांच बार गिण्डीयां बदलकर यह क्रिया दोहराएं। खेत में दीमक समाप्त हो जाएगी। सुपारी के आकार की हींग एक कपड़े में लपेटकर तथा पत्थर में बांधकर खेत की ओर बहने वाली पानी की नाली में रख दें। उससे दीमक तथा उगरा रोग नष्ट हो जावेगा।

किसानों के खर्चें हुए कम

रेवाड़ी के प्रगतिशील किसान यशपाल खोला का कहना है कि जैविक खेती में जैविक कीटनाशक में लागत कम आती है। हरियाणा सरकार की ओर से जैविक खेती को प्रोत्साहित करने के लिए भी विशेष पहलें व रियायतें दी जा रही हैं, जिसका किसान फ़ायदा उठा रहे हैं। झज्जर के किसान रमेश चन्द पाटौदा और महेन्द्रगढ़ के किसान राजकुमार स्वयं तैयार किए जैविक कीटनाशकों व व्याधियों का प्रयोग करते हैं। वह बताते है कि इन कीटनाशकों का प्रयोग करने से खाद्यान्नों की पैदावार में बढ़ोतरी होती है। अच्छी किस्म की फसल पैदा होती है।

'प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना' की शिकायतों के निवारण हेतु पोर्टल का शुभारंभ किया, जिसके तहत किसान पोर्टल के माध्यम से कहीं से भी अपनी शिकायत दर्ज़ करवा सकते हैं।

प्रदेश के 5,600 गांवों में 24 घंटे बिजली उपलब्ध करवाई जा रही है। सरकार का प्रयास है कि आगामी एक वर्ष में प्रदेश के हर गांव में 24 घंटे बिजली उपलब्ध करवाई जाए।

सरस मेले में आत्मनिर्भरता की रौनक

संगीता शर्मा

गुरुग्राम के सेक्टर-29 स्थित लेजर वैली ग्राउंड में 9 अप्रैल से 20 अप्रैल तक आयोजित सरस मेला के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों की स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को सीधा बाज़ार उपलब्ध हुआ। कला और संस्कृति का संगम मेला प्रदेश की नारी शक्ति को आजीविका के नए अवसर प्रदान करने में सफल साबित हुआ। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन व हरियाणा राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव के तहत आयोजित मेले में जहां सैलानियों को ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं द्वारा बनाए गए विभिन्न उत्पादों की खरीदारी का मौका मिला, वहीं लोगों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम का भरपूर आनंद उठाया।

'मिनी इंडिया' के दर्शन

मुख्यमंत्री मनोहर लाल अपने गुरुग्राम दौरे के दौरान सरस मेला देखने पहुंचे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरस मेला स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को आजीविका का मंच उपलब्ध करवाने के साथ-साथ हमें 'मिनी इंडिया' के दर्शन भी करवाता है। इस दौरान मुख्यमंत्री द्वारा तीन स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं सोहाना, गांव दौला, की 'उन्नति स्वयं सहायता समूह' की सीमा, गुरुग्राम, गांव चंदू, की 'कश्तीज स्वयं सहायता समूह' की पूजा, गांव धनी शंकर वाली, की 'विकास स्वयं सहायता समूह' की सुनीता को 'आजीविका ग्रामीण एक्सप्रेस योजना' के अंतर्गत वाहन दिए गए।

रूस के कलाकरों की प्रस्तुति

सांस्कृतिक कार्यक्रमों की कड़ी के तहत रूस से आई महिला कलाकारों ने मुख्यमंत्री के समक्ष हरियाणवी गाने पर अपनी शानदार प्रस्तुति दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी हरियाणवी संस्कृति की धमक विदेशों तक पहुंच गई है और रूस की बालिकाओं ने हरियाणवी लोक गीतों पर ऐसी प्रस्तुति दी जैसी हमारी कन्याएं देती हैं। इससे पूर्व नरेंद्र उर्फ मौंटी शर्मा के ग्रुप ने लख्मीचंद की रागनी पर हरियाणवी डांस के माध्यम से अपनी शानदार प्रस्तुति भी दी।

हरियाणवी परिधान से रोज़गार

मेले में आई महिलाओं ने जिला झज्जर के गांव से आए 'बाबा प्रेमनाथ स्वयं सहायता समूह' की प्रमुख बबली हरियाणवी ने बताया कि उनके उत्पादों में हरियाणवी ड्रेस और ज्वैलरी की काफी वैरायटी है। उन्होंने स्वयं झज्जर से प्रशिक्षण लेकर समूह की अन्य महिलाओं को भी यह कारीगरी सिखाई है जिसके माध्यम से उनके समूह की सभी 11 महिलाएं आज स्वयं अपने परिवार की आजीविका चलाने में सक्षम है।

सरस मेले में चरखी दादरी के झोझू कलां गांव से 'झोझू प्रथम महिला क्लस्टर संगठन' व गांव बौंद के 'नई सोच महिला क्लस्टर संगठन' की प्रमुख राणिका व सरोज ने बताया कि हरियाणा राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन ने उनको व उनके समूह की अन्य महिलाओं को स्वावलंबी बनाने में सार्थक भूमिका निभाई है। मेले में प्रदर्शित थालपॉश, गुड्डा-गुड़िया का जोड़ा, बंदरवाल, इंढी, टोकरी व आईसक्रीम की चम्मच व अख़बार को पेंट कर बनाए गए अन्य आइटम्स को खरीदने में लोगों ने विशेष रुचि दिखाई।

लोगों को खूब भाये शुद्ध खाद्य उत्पाद

मेले में प्रतिभागी 'देव वूमेन महिला स्वयं सहायता समूह' (ढाणी चित्रसेन) की प्रमुख नीलम ने बताया कि वे अपने समूह द्वारा निर्मित उत्पादों की बिक्री से हर महीने 12 से 15 हजार रुपए अर्जित करने के साथ-साथ समूह की अन्य महिलाओं को भी स्वावलंबी, आत्मनिर्भर बना रही है।

बरनाला का मुरब्बा व अचार

सरस मेले में पंजाब के बरनाला के 'एकता स्वयं सहायता समूह' द्वारा बनाया गया मुरब्बा व अचार ख़ासा पसंद किया गया। उत्तराखंड के नैनीताल से आई दमयंती बिष्ट ने बताया कि पहाड़ों पर आजीविका चलाने के लिए खेती के अलावा कोई दूसरा विकल्प नहीं है। ऐसे में उन्होंने जैविक खेती का चुनाव किया। उन्होंने बताया कि आज उनके ग्रुप में करीब आठ महिलाएं है, वहीं वे स्वयं करीब 15 संगठनों की प्रमुख है जिसमें करीब 150 महिलाएं इस क्षेत्र से जुड़कर लोगों को शुद्ध व जैविक खाद्य पदार्थ उपलब्ध करवा रही हैं।

शहद की मिठास

मेले में फतेहाबाद भूना ब्लॉक के 'कोमल स्वयं सहायता समूह' ने शहद की विभिन्न किस्में प्रदर्शित की। समूह की प्रमुख गीता देवी ने बताया कि मेले में उनके पास सफेदा, अनार, शीशम व सरसों का शहद उपलब्ध है। बताया कि वह अपनी मधुमक्खियों को हरियाणा के पड़ोसी राज्यों में ले जाकर इनसे अलग-अलग फ्लेवर का शहद बना रहे हैं।

स्वतंत्रता संग्राम के वीरों की कहानी

सरस मेले में सांस्कृतिक संध्या में '1857 का संग्राम-हरियाणा के वीरों के नाम' पर नाटक का मंचन किया गया। देश की आजादी की पहली लड़ाई 1857 में शुरू हुई थी। स्वतंत्रता की इस पहली लड़ाई में हरियाणा के वीरों की भूमिका का चंडीगढ़ से आए कलाकारों ने अपनी कला के माध्यम से प्रभावशाली रूपांतरण किया। सरस मेले में सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग के कलाकारों ने जिस प्रकार 'दास्तान- ए-रोहनात ' नाटक का मंचन किया उसे वाकई रोहनात गांव के गुमनाम नायकों को सच्ची श्रद्धांजलि कहा जा सकता है। इस नाटक का निर्देशन मनीष जोशी द्वारा किया गया है।

हंसराज के अखाड़े में तैयार होते पदकवीर

समूह स्पर्धा हो या व्यक्तिगत स्पर्धा, हरियाणा के खिलाड़ी कहीं न कहीं बेहतरीन स्थिति में नज़र आ ही जाते हैं। यह खिलाड़ियों के खान-पान, लगन, निष्ठा व मेहनत का ही परिणाम है। ऐसे तो प्रदेश में कई गांव ऐसे हैं जिनमें खिलाड़ियों ने मेहनत के बलबूते शोहरत हासिल की है लेकिन करीब 64 सौ मतदाताओं वाले सोनीपत के गांव नाहरी की बात अलग है। टोक्यो ओलिंपिक में पहलवान रवि दहिया के सिल्वर मेडल जीतने के बाद यह गांव चर्चा में आया।

ब्रह्मचारी हंसराज गांव के बाहर नहर के किनारे पहलवानों को कड़ी मेहनत और अनुशासन का पाठ पढ़ाते हैं। उन्होंने पहलवानों के लिए नहर की पटरी को साफ करके दौड़ के लिए देसी ट्रैक बनाया है और पुरानी हाथ की चक्की के पाटों को तारों के सहारे पेड़ों पर बांधकर देसी जिम बनाया गया है। पेंट के अलग-अलग साइज के खाली डिब्बों में कंक्रीट भरकर तार की सहायता से पेड़ पर लटकाकर खींचा जाता है। लकड़ी की मुदगर तथा अन्य साजो-सामान को जिम की तरह प्रयोग में लाया जाता है। इसके अतिरिक्त अखाड़ा खोदकर और मोटे रस्से से भी व्यायाम किया जाता है। सभी पहलवानों को साथ लगती नहर में तैराना सिखाया जाता है।

सेवेर चार बजे पहलवान अखाड़े में आना शुरू हो जाते हैं व बाल ब्रह्मचारी हंसराज द्वारा दिये गये शेड्यूल अनुसार मेहनत करते हैं। मेहनत का यह क्रम तीन से चार घंटे का होता है। कभी जिम, तो कभी रोप व कभी कुश्ती की बाउट। पहलवानों ने अखाड़े में ही लकड़ी का जिम व अन्य सहायक उपकरण लगा रखे हैं।

गांव के ज्यादातर पहलवान स्टार पहलवान रवि दहिया व अमित को अपनी आदर्श मानते हैं। अब यहां के पहलवान वर्ष 2024 में पेरिस में होने वाले ओलंपिक की तैयारी कर रहे हैं। सवेरे-सायं चार- चार घंटे मिट्टी के अखाड़े में पसीना बहाते इन पहलवानों की आंखों में भविष्य में मेडल जीतने के सपने हैं।

यहां 40 के करीब पहलवानों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन किया है। राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय और ओलिंपिक तक का सफर तय कर चुके इस गांव के पहलवानों को सरकार द्वारा अर्जुन अवार्ड, खेल रत्न अवार्ड व अन्य कई अवार्डों से सम्मानित किया जा चुका है। महाबीर सिंह, अमित दहिया ध्यानचंद अवार्डी, सतबीर सिंह ओलंपियन व अर्जुन अवार्डी अमित दहिया, अरुण पाराशर, अरुण दहिया, पवन दहिया और टोक्यो ओलिंपिक के सिल्वर मेडलिस्ट रवि दहिया इसी गांव के ही पहलवान हैं।

-सुरेंद्र सिंह मलिक

प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्र में बच्चों को अच्छी शिक्षा के लिए मॉडल संस्कृति स्कूल अपग्रेड किए जा रहे हैं तथा छोटे बच्चों को खेल-खेल में शिक्षा उपलब्ध करवाने के लिए आंगनवाड़ी केंद्रों को प्ले वे स्कूलों में बदला जा रहा है।

पंचकूला के सेक्टर-26 स्थित महाज्ञानी ऋषि अष्टावक्र केंद्र राजकीय पॉलिटेक्निक की तर्ज़ पर मूक एवं बधिर छात्रों हेतु विभिन्न डिप्लोमा पाठ्यक्रम राज्य के विभिन्न राजकीय पॉलिटेक्निक संस्थानों में शुरू किए जाएंगे।

हंसोकड़े दरियाव सिंह मलिक

हरियाणवी कला जगत के बेस्ट कॉमेडियन दरियाव सिंह मलिक की सांसारिक यात्रा पूरी हो गई। वे 84 साल के थे। उन्होंने ताउम्र लोगों को हंसाने का काम किया। वे कहते थे जीना हर हाल में है, तो फिर क्यों न हंसते हुए जीया जाए। मरूं-मरूं करते हुए जीने में क्या रखा है। चाहे कैसी भी परिस्थिति हो, जीते रहो, हसंते रहो। मन में कुछ और न आए तो कोई गीत गुनगुनाते रहो।

मुंबई फिल्म नगरी में आयोजित एक कार्यक्रम में एक बार उन्होंने कहा था कि फिल्मों का काम लोगों को हंसने हंसाने का होना चाहिए, रुलाने का नहीं। जीवन का बोझ हल्का करने के लिए ही तो दर्शक हॉल तक आते हैं। वे बोले- लोग हंसना भूल चुके हैं, इसलिए फिल्मों का प्रयास रहे कि लोगों के पेट से हंसी निकाली जाए।

हरियाणा की सबसे पहली सुपरहिट फिल्म चंद्रावल में कॉमेडियन खूंडा के किरदार से विख्यात हुए दरियावसिंह मलिक पानीपत के गांव उग्राखेड़ी के मूल निवासी थे। उन्होंने 1965 में लोक संपर्क विभाग में प्रचारक के तौर पर नौकरी शुरू की थी। विभाग में रहते उन्होंने कई विषयों पर अपने भजनों व रागनियों के जरिए गांव-गांव जाकर सामाजिक बुराइयों के खिलाफ अभियान चलाया।

अस्सी के दशक में उनकी मुलाकात हरियाणवी संस्कृति के वरिष्ठ मर्मज्ञ देवीशंकर प्रभाकर से हुई। प्रभाकर ने उनको अपनी हरियाणवी फिल्म चंद्रावल में हास्य कलाकार की भूमिका दी। फिल्म जैसे ही थियेटर पर आई दरियाव सिंह अपने सहयोगी कलाकार नसीब सिंह के साथ रूंडे व खूंडे के रूप में प्रसिद्ध होते चले गए।

दरियाव सिंह की कला निखरती चली गई और वे एक के बाद एक कार्यक्रम और फिल्में करते गए। उन्होंने कुल 19 फिल्मों में अभिनय किया। जिनमें चंद्रावल के अलावा लाडो बसंती, फूल बदन, बैरी, जर जोरू और जमीन, नई रोशनी तथा यश चोपड़ा की फिल्म मेरे डैडी की मारूति शामिल हैं। रेडियो पर करीब 15 वर्ष तक कार्यक्रम दिए। वर्ष 1995 में वे लोक संपर्क विभाग से सेवानिवृत हो गए। वर्ष 2004 में उनको 'हरियाणा गौरव' का अवार्ड मिला तथा 2006 में तत्कालीन राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम ने राष्ट्रीय संगीत अकादमी की ओर से राष्ट्रीय सम्मान से नवाजा।

दरियाव सिंह कहते थे कि परमात्मा ने हंसने का हुनर केवल इन्सान को दिया है, तो क्यों न उसका भरपूर उपयोग किया जाए। हास्यरस के पुरोधा को श्रद्धांजलि।

-मनोज प्रभाकर

भक्ति-साहित्य की समृद्ध धरा

हरियाणा शताब्दियों से आध्यात्मिक चेतना की भूमि रही है। यहां के अधिकतर संत मूलतः कृषक, शिल्पी अथवा श्रमजीवी समुदायों से संबंधित रहे हैं। अतः भक्ति उनके लिए एक सांस्कृतिक विचारधारा थी जिसके कारण वे मानव मात्र प्रेम की नई आचार संहिता का निर्माण करने में सफल हो सके। और यही कारण है कि हरियाणा की ज्ञान धरा पर आदिकाल से ही भक्ति साहित्य में धार्मिक तथा दार्शनिकता की गंगा प्रवाहित रही है।

रोहतक के समीप अस्थलबोहर में नाथ सम्प्रदाय का प्रसिद्ध मठ है। यह क्षेत्र चौरंगीनाथ की तपोभूमि रहा है। जिनका हरियाणा में नाथ भक्ति काव्य परंपरा, नाथ सम्प्रदाय तथा योग मार्ग की पुष्टि करने में विशेष योगदान रहा है। नाथ साहित्य में इनके पद मिलते हैं जो हरियाणा भक्ति साहित्य की धरोहर माने जाते हैं। मत्स्यनाथ नाथ सम्प्रदाय के दूसरे प्रसिद्ध कवि हुए हैं। जिनके भक्ति भाव भरे पद आज भी नाथ सम्प्रदाय में गाए जाते हैं। गोरखपंथी भक्ति साहित्य के अनुसार गुरु गोरखनाथ ने योग साधना तथा साहित्य में स्वध्याय तथा निराकार ब्रह्म भक्ति को महत्व दिया। इनके द्वारा रचित भक्ति साहित्य को गोरखवाणी के रूप में संकलित किया गया है। नाथ पंथ के कवियों ने अपने भक्ति भाव से समाज निर्माण का एक ऐसा संदेश दिया जिसके अनुसार मानव को जाति-पाति, ऊंच-नीच, अमीर-गरीब, सम्प्रदाय आदि द्वंदों से मुक्ति पाकर सुखी जीवन व्यतीत कर सके। 'नौनिधि' नामक एक विशेष भक्ति काव्य रचना के रचनाकार उदादास हैं जिन्होंने अपनी इस रचना के द्वारा गुरु गोरखनाथ की शिक्षाओं को प्रस्तुत किया है। वस्तुतः हरियाणा को नाथ सम्प्रदाय की जन्मस्थली कहा जाए तो अतिशयोक्ति नही।

हरियाणा में जैन काव्य परंपरा भी अति प्रचीन है। जैन धर्म का भक्ति-साहित्य प्राचीनकाल में प्रायः जैन मुनियों, जैन साधु-साध्वियों एवं यति लोग ही करते थे जिस कारण लेखन क्रिया का प्रचलन काफी समय बाद हुआ। पुष्पदंत को हरियाणा का रत्न तथा आदिकवि कहा जाता है। जिनका संबंध रोहतक के निकटवर्ती गांव से माना जाता है। जैन कवियों में नयामत सिंह जैन, मुनि गणेशमल, मुनि कन्हैया लाल, मुनि छत्रमल, मुनि वत्सराज, साध्वी मुंजुला श्री आदि ने अपनी श्रेष्ठ रचनाओं से जैन काव्य-परंपरा को समृद्ध किया । गुप्त धाम, गन्नौर में जैन धर्म साहित्य की कृतियां प्रचुर मात्रा में उपलब्ध हैं। ऋषि-मुनियों, साधु-संतों, महात्माओं तथा संतों को हरियाणा की हरी-भरी भूमि आदिकाल से लुभाती रही है।

भक्ति -साहित्य की इसी शृंखला में 'गरीबपंथ' का भी महत्वपूर्ण योगदान है। गरीबपंथ के प्रवर्तक छुड़ानी, जिला झज्जर के गरीबदास जो परोपकारी और मृदुभाषी किसान थे। अनेक दुष्प्रवृतियों में उलझे समाज को उस समय गरीबदास जैसे संत कृतियों ने दिशा बोध दिया। वर्तमान में महंत गंगा सागर और दया सागर उनकी काव्य धारा को अपने प्रवचनों द्वारा समाज सेवा कर रहे हैं। कबीर की निर्गुण संत परंपरा का हरियाणा भक्ति-साहित्य में प्रमुख स्थान है जिसमें समता पंथ का उल्लेखनीय योगदान है।

राम भक्ति -साहित्य में हरियाणा को महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त है। राम भक्ति काव्य-परंपरा के विकास में संत राम सिंह 'अरमान' का नाम अग्रगण्य है। मुखराम दास अग्रवाल राम काव्य-परंपरा के प्रमुख कवि माने जाते हैं जिन्होंने 'राम चरित मानस' पर आधारित 'श्रीराम कीर्तन रामायण' की रचना कर हरियाणा के भक्ति-साहित्य को समृद्ध करने में उल्लेखनीय योगदान दिया है। जिससे हरियाणा में राम भक्ति काव्य परंपरा अति उच्च स्थान पर विराजमान है।

कृष्ण भक्ति काव्य को भी हरियाणा में सर्वोच्च स्थान प्राप्त है। हिंदी साहित्य तथा कृष्ण भक्ति साहित्य में सूर्य के समान प्रकाशमान 'सूरदास' हरियाणा की इसी पावन धरा पर स्थित सीही गांव, तहसील बल्लबगढ़, जिला फरीदाबाद में जन्में थे। कृष्ण भक्ति साहित्य को पुष्प-पल्लवित करने में सूरदास के अतिरिक्त लक्ष्मी नाराण शर्मा, तुलसी दास शर्मा 'दिनेश', खुशी राम वशिष्ट, भारत भूषण सौंधीवाल, पुरुषोश्रम दास 'नर्मल', डॉ. लीलाधर 'वियोगी' मंगल राम अत्री तथा माधव कौशिक आदि रचनाकारों ने कृष्ण भक्ति काव्य-परंपरा को हरियाणा में गतिशीलता प्रदान कर जनमानस को कृष्ण भक्ति का रसपान कराने में बहुत बड़ा योगदान है।

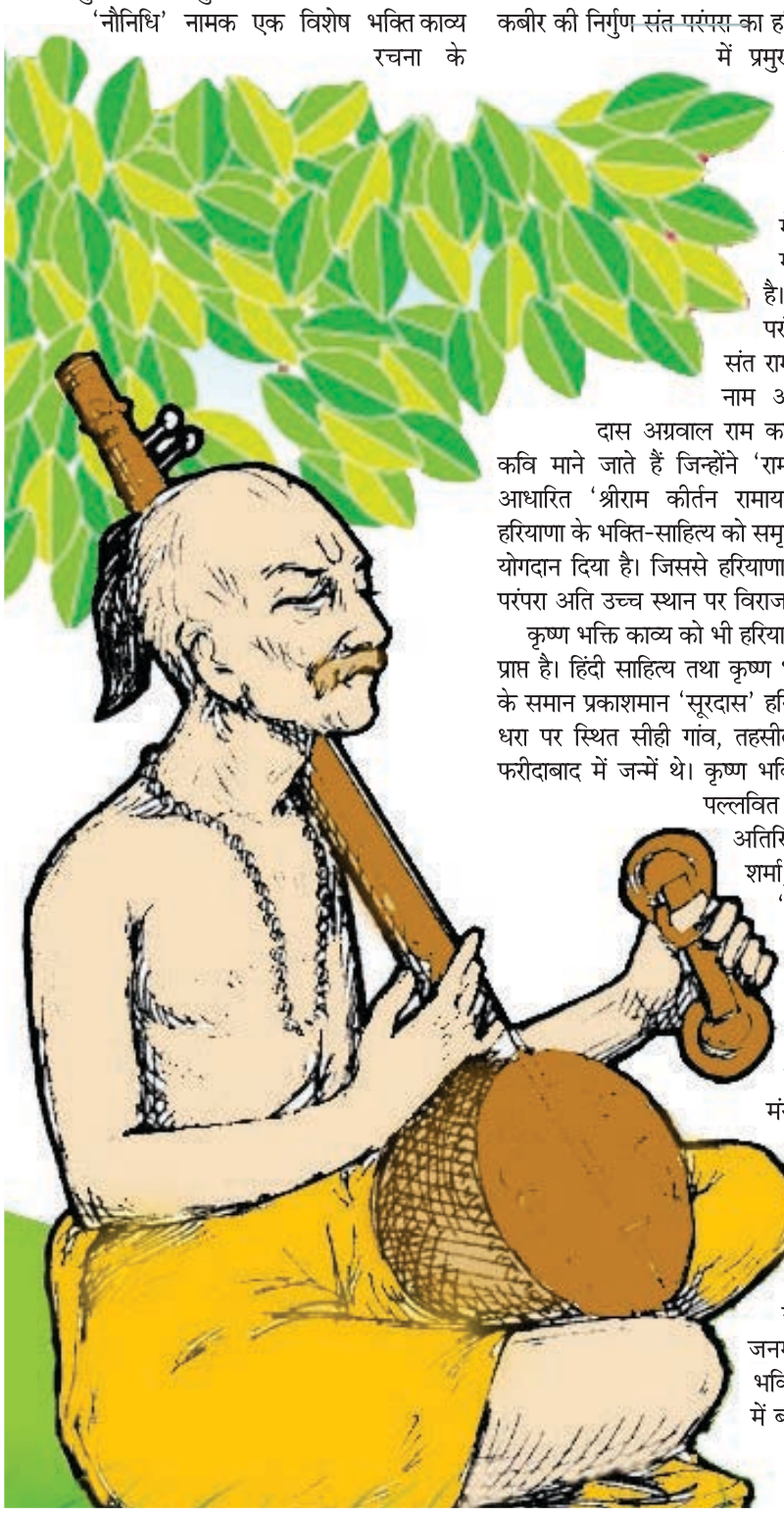

-नत्थी सिंह

सुण छबीले बोल रसीले

खाणा-पीणा ढंग का हो तै, सारे रोग दफ़ा होज्यां

- रसीले, आज्या, बैठज्या। कई दिनां में दर्शन होए, कितोड़ जार्‌या था?

- कित जाणा था, इन दिनां में कितो जा सकैं सैं? सारे किल्यां के गेहूं काट दिए और काढ़ दिए। ईब निफराम ।

-हां भाई रसीले इन दिनां में तो एक-एक आदमी दो-दो माणसां का काम कर्‌या करता। ईब गेहूं काटण की मशीन इसी आ गी अक खेतां में माणसां का कामै कोन्या रहा। खेतां में माणस बहुत कम दिखाई दे सैं। सांझ नै किला भरा हो सै, तड़कै खाली पावै सै। लोग चपक दे सी फसल नै लेकै घरां बड़ज्यां सैं।

- भाई फसल तो घरां भी कोन्या जाती, सीधी मंडी में जाती दिखै सै। घरां तो बस खाण-खाणके दाणे आवैं सैं।

-रसीले तनै तो दोनूं किल्ले दराती गैल्यां काटे सैं।

- जिबै तो दस दिन लाग गे। हाथ गैल्यां काटे तो डांगरां खातिर मोकळा तूड़ा मिलग्या। मशीन गैल्यां कटवाण में तो तूड़े का सत्यानाश होज्या सै। खाण के दाणे भी बढ़िया कोन्या लिकड़ते। थ्रैसर तै लिकड़े होए दाणां का खाणा बढ़िया हो सै।

- रसीले, सारे गेहूं यूरिया मारे होड़ थे या कुछ आपणे खातिर कुछ राखे?

-छबीले, दोनूं किल्लां में छह कट्टे यूरिया मार्‌या था। आपणी खातिर अलग तैं कुछ ना राख्या।

- रसीले, यो बोहत माड़ी बात भाई। कम तो कम एक किल्ले में तो आपणे खातिर बिना यूरिया के राख लेता। कित लेज्यागा इतणे धन नै। धन हो भी गया तो इस देह बिना उस धन का के करैगा?

- छबीले इस महंगाई में खर्चे तो और भी बहुत हो सैं। यो लोभ मनैं के, सबनै सै।

- भाई रसीले लोग यो बात कद समझैंगे? सरकार बावली कोन्या जो फसल विविधिकरण पै जोर दे री सै। किसान दो रुपए ज्यादा कमाण के चक्कर में आपणी सेहत का नुकसान करण लाग रे सैं। पड़ौसी प्रांत का हाल देखल्यो। बड्डी बड्डी बीमारी सैं। यो ए हाल आपणे सूबे में होण लाग्‌या सै।

-भाई छबीले सोचैं तो हाम भी सैं पर के करां?

- भाई न्यू कहा करैं, पहला सुख निरोगी काया। सेहत ठीक होगी तो सबकुछ ठीक लागैगा। सेहत में खराबी हो ज्यागी तो कुछ भी आच्छा कोन्या लागै। सबतैं पहला काम यू होणा चाहिए अक परंपरागत खेती बहुत कम करैं। केवल गेहूं और धान की खेती पै ध्यान ना दें। और बहुत सारी फसल सैं जिनकी पैदावार लेकै गेहूं और धान तैं भी ज्यादा आमदनी ली जा सकै सै।

-इसकी पूरी जानकारी लेण खातिर कृषि और बागवानी विभाग तैयार बैठे सैं। राज्य सरकार तो दूसरी फसल लगाण पै अनुदान भी देवै सै। उसका मार्केट में भाव भी ज्यादा मिलै।

-हां भाई छबीले इबकै जो गेहूं बोवांगे, बिना यूरिया के पैदावार लेंगे। गोबर की खाद और दूसरी खाद तैं धरती संवारैंगे। जैविक खेती पर ध्यान दिया जागा। तेरी भाभी नै भी कई बार कह ली, अक क्यूं बालकां नै जहर खुआवै सै। बोहत होग्‌या।

-थोड़ी सी नासमझ और थोड़े से लालच में घणा नुकसान कर ले सैं। हैरानी की बात यो सै अक नुकसान होते होते भी अकल कोन्या आती। फेर भी लागे रहैं सैं। आगे तै आपणी सेहत का कबाड़ा नहीं करांगे। जैविक फसल में असल तो भाव में कोए कमी कोन्या रवैह, जो कमी-पेशी रहैगी वो दूसरी फसल लेकै पूरी करण की कोशिश करांगे।

- रसीले भाई, म्हारे समाज के लोगां में यू टैम तै पहल्यां बुढ़ापा वैसे ही नहीं आर्‌या। खाणा पीणा ढंग का नहीं रहा, आलस फालतू होग्‌या। कदे पेट खराब तो कदे सिर में दर्द, गोड्यां के दर्द का तो ओड़ ए कोन्या। तरहां तरहां की बीमारी।

-खाणा पीणा ढंग का हो तै, सारे रोग दफा होज्यां। खेत में मेहनत होज्या तै, वारे-न्यारे सबके होज्यां। जैविक उपज खाया कर, मुहं पै लाली आ ज्यागी। भाभी नै भी आए करवाचौथ पै, तेरी शक्ल भा ज्यागी।

राम राम।

-मनोज प्रभाकर

डॉ अमित अग्रवाल, भा.प्र.से. प्रबंध निदेशक, संवाद (सूचना जन संपर्क एवं भाषा विभाग) हरियाणा द्वारा हरियाणा सरकार के लिए कमरा नं. 314, दूसरी मंजिल, लघु सचिवालय, सेक्टर-1, पंचकूला से प्रकाशित।
कार्यालय : संवाद सोसायटी एससीओ 23, पहली मंजिल, सेक्टर 7, चंडीगढ़ फोन : 0172-2723814, 2723812 email : editorsamvad@gmail.com